ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University Established by an Act of Parliament, No. 3 of 1997)

वृषभ प्रसाद जैन/ Vrashabh Prasad Jain
प्रोफेसर एवं निदेशक : व्याकरण/ Prof. & Director : Grammar

मोबाइल./ Mobile. : 9453323113
दूरभाष/Phone: 07152-230084
फैक्स/Fax : 07152-230903
ई-मेल/E-mail: vrashabh.jain@gmail.com

दिनांक : 02 अगस्त 2018

सूचना

दिनांक 13 जुलाई 2018 को अपराह्न 4:00 बजे से भाषा विज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग के सभा कक्ष में हमने भाषा के विश्लेषण और प्रौद्योगिकी के विकास की दृष्टि से एक परिचर्चा की। विशेष रूप से उन वाक्यों को लिया गया, जिनमें क्रिया की मूल धातु के साथ '-कर' प्रत्यय लगे हों या मिलते हों। यहाँ जिन तीन 3 वाक्यों को उदाहरण स्वरूप रखा गया था, वे निम्नलिखित हैं-

१. सुरेश घर से किताब पढ़ कर चला आया।

२. सुरेश घर से किताब पढ़कर और स्कूटर पर बैठकर चला आया।

३. अलमारी के भीतर बिछे एक-एक कागज को देख कर आया, पर वहाँ डॉक्टर का लिखा पर्चा नहीं मिला।

इन्हीं से संबंधित कुछ सवाल किये गए कि-

1.कैसे क्रिया के तिर्यक् रूप का अंतःसंबंध होता है?

2.कैसे एक वाक्य में एक साथ दो क्रियाओं के होने पर मुख्य क्रिया की पहचान की जाए?

3.क्रियाओं में '-कर' प्रत्यय का एक से अधिक बार प्रयोग होने पर मुख्य क्रिया की पहचान कैसे की जाए?

4.किस प्रकार क्रिया अपने बहुवचन रूप से एकवचन रूप को धारण करती है? मसलन तीसरे उदाहरण में 'बिछा एक-एक कागज़' ?

फिर से इन्हीं तीन वाक्यों पर दिनांक 16, 19, 24 व 26 जुलाई को अपराह्न 4:00 बजे बैठक की गई।

इसी क्रम में भाषा व्याकरण और भाषा चिंतन को लेकर भाषा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग में दिनांक 03 अगस्त 2018 को भी शाम 4:00 बजे चर्चा प्रस्तावित है। आप सभी चर्चा में आमंत्रित हैं। चर्चा में जहां गंभीर विचार उभर रहे हैं, वहीं नई आगामी पीढ़ी का प्रशिक्षण भी हो रहा है। अतः अनुरोध है कि चर्चा में अवश्य पधारें।

02/08/18

भवदीय

(वृषभ प्रसाद जैन)

प्रतिलिपि :

- लीला प्रभारी (विवि की वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु)